

**UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
NET BUREAU**

Code No. : 63

Subject : MASS COMMUNICATION AND JOURNALISM

SYLLABUS AND SAMPLE QUESTIONS

Note :

There will be two question papers. Paper-II will cover 50 Multiple Choice Questions (Multiple choice, Matching type, True/False, Assertion-Reasoning type) carrying 100 marks and Paper-III will have two Parts—A and B. Part-A will have 10 short essay type questions (300 words) carrying 16 marks each. There will be one question from each unit with internal choice from the same unit. Total marks will be 160. Part-B will be compulsory and Questions will be set from Unit-I to Unit-X. The candidate will attempt one question from Part-B (800 words) carrying 40 marks. Total marks of Paper-III will be 200.

PAPER-II & PAPER-III (Part A & B)

Unit—I

Communication and Journalism—Basic terms, Concepts and definition, Nature and process

Types of Communication

Mass communication—Nature of media and content

Mass communication in India—Reach, access and nature of audience

Unit—II

Role of media in society

Characteristics of Indian society—Demographic and sociological impact of media in general

Impact of media on specific audiences—Women, children, etc.

Mass media effects studies and their limitations

Mass campaigns for specific issues—Social concerns, environment, human rights, gender equality

The press, radio, television, cinema and traditional form of communication

Unit—III

Journalism as a profession
Journalists—Their role and responsibilities
Indian Constitution and freedom of press
Research restrictions
Ethics and journalism
Careers in Journalism and mass media
Training—Problems, perception and response by the industry
Media management—Principles and practices
Professional organisations in Media
Media Laws in India

Unit—IV

History of Print and Broadcast media in general with particular reference to India.
Post-independent developments in print
Newspapers—English and Indian language press—major landmarks
Magazines—Their role, bookphase and contemporary situation
Small newspapers—Problems and prospects
Press Commission, Press Councils—Their recommendations and status
Development of Radio after independence—Extension role, radio rural forums and local broadcasting—General and specific audience programmes
Development of television—Perception, initial development and experimental approach; SITE phase and evaluation; Expansion of television—Post-Asiad phase, issues concerns and debates over a period of time
Committees in broadcasting—Background, recommendations and implementation
Cinema—Historical overview and contemporary analysis—Commercial, parallel and documentary genres—Problems and prospects for the film industry

Unit—V

Communication and theories of social change
Role of media in social change—Dominant paradigms
Critique of the Dominant paradigm and alternative conception
Development initiatives—State, market and the third force (NGO sector)
Participatory approaches and community media—Ownership and management perspectives

Unit—VI

Introduction of research methods and process
Mass communication research—Historical overview
Administrative and critical traditions
Effects research—Strengths and limitations
Communication research in India—Landmark studies related to SITE
Content analysis—Quantitative and qualitative approaches
Market research and its relationship to communication particularly advertising
Sampling techniques—Strengths and limitations
Statistical methods of analysis basics

Unit—VII

Colonial structures of communication
Decolonisation and aspirations of nations
Conflicts related to media coverage and representation
International news agencies—Critique
MacBride Commission—Recommendations and policy options
Contemporary issues related to transnational broadcasting and its impact on culture, various perspectives and cultural impact
Convergence of media—Problems and options
Media Policies in an International Context
India's position and approach to international communication issues

Unit—VIII

Radio & TV and Video as Media of Communication
Grammar of TV & Radio and Video
The production team
Role of Producer
Different types of programmes
Writing for Radio
Writing for TV—Researching for Scripts

The Visual Language

Camera Movements

Basic Theories of Composition—Cues and Commands

Formats for Radio-Television—News, Sitcoms, Features, Commercials, Operas, Documentaries, Cinema, Theatre, Drama

Editing Theory and Practice

Sound Design, Microphones, Sets and Lighting

Satellite, Cable television, Computers, Microchips

Unit—IX

Advertising

Marketing

Ad copy and Layout

Public Relations

Public Opinion

Propaganda

Unit—X

The Techniques

Different forms of writing

Printing Technology and Production methods

News agencies

Syndicates and Freelancing

Specialised areas of Journalism

SAMPLE QUESTIONS

PAPER-II

1. The first Chairman of Prasar Bharati was
 - (A) Nikhil Chakraborty
 - (B) Hiranmay Karlekar
 - (C) S. S. Gill
 - (D) Bareen Sengupta
2. The daily newspaper 'Le Monde' is published from
 - (A) Bonn
 - (B) Paris
 - (C) London
 - (D) Hydelberg
3. Which of the following is mismatch?
 - (A) Hindustan Times—New Delhi
 - (B) Hindu—Chennai
 - (C) Ananda Bazar Patrika—Patna
 - (D) The Times of India—Mumbai

PAPER-III (A)

1. Can Press Council of India monitor the role of newspapers during election?

Or

Discuss the role of mass media in National Development with special reference to India.

2. Discuss the new media techniques in relation to media management.

Or

Enumerate the various techniques and tools of P. R. in India.

PAPER-III (B)

11. What is Mass Communication? How can mass communication be effective? Using the reference of the Indian Election 1998, discuss the latest techniques which were used in analysing and popularising the election process?

Or

Which shot among the basic shots, is most frequently used in Television, especially in TV News and Current Affairs? Discuss.

★ ★ ★

टिप्पणी :

इस विषय के अन्तर्गत दो प्रश्न-पत्र होंगे। प्रश्न-पत्र—II में कुल 50 विकल्पी प्रश्न (बहु-विकल्पी, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन-कारण टाइप) होंगे जिनके कुल अंक 100 होंगे और प्रश्न-पत्र—III के दो भाग—A और B होंगे। भाग-A में 10 संक्षिप्त निबन्धात्मक प्रश्न होंगे (300 शब्दों के) जिनमें प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का होगा। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न होगा जिसमें हर प्रश्न के साथ तत्सम्बन्धी इकाई से एक आन्तरिक विकल्प प्रश्न होगा। कुल अंक 160 होंगे। भाग-B अनिवार्य होगा और जिसमें इकाई-I से इकाई-X में से प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को भाग-B से एक प्रश्न करने होंगे (800 शब्दों का) जिसका अंक 40 होगा। प्रश्न-पत्र—III के कुल अंक 200 होंगे।

प्रश्न-पत्र—II और प्रश्न-पत्र—III (खण्ड A और B)

इकाई—I

संचार एवं पत्रकारिता—मूल संदर्भ, अवधारणा एवं परिभाषा, प्रकृति एवं प्रक्रिया
संचार के प्रकार
जनसंचार—माध्यम की प्रकृति और अन्तर्वस्तु
भारत में जनसंचार—पहुँच, अभिगम्यता तथा श्रोता-पाठक की प्रकृति

इकाई—II

समाज में मीडिया की भूमिका
भारतीय समाज की विशिष्टताएँ—जनसंख्यात्मक एवं समाजशास्त्रीय मीडिया का समग्र प्रभाव
विशिष्ट श्रोता-पाठक वर्ग पर माध्यमों (मीडिया) का प्रभाव—महिला, बच्चों आदि पर
जनमाध्यम (मास मीडिया) प्रभावों के अध्ययन एवं इनकी सीमाएँ
विशेष मुद्दों पर जन-अभियान—सामाजिक सरोकार, पर्यावरण, मानवाधिकार, लिंग-समानता
प्रेस, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा एवं संचार के परम्परागत माध्यम

इकाई—III

पत्रकारिता व्यवसाय के रूप में
पत्रकार—भूमिका एवं दायित्व
भारतीय संविधान एवं प्रेस-स्वतंत्रता
सोध अवरोध
आचार संहिता और पत्रकार
पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में कैरियर

प्रशिक्षण—समस्याएँ, उद्योगों की अवधारणाएँ एवं प्रतिक्रिया
माध्यम प्रबन्धन—सिद्धान्त एवं व्यवहार
माध्यम-संबद्ध व्यावसायिक संगठन
भारत में जनमाध्यमों से सम्बद्ध कानून

इकाई—IV

मुद्रित एवं प्रसारण माध्यमों का सामान्य इतिहास—भारत के विशेष संदर्भ में
मुद्रित माध्यमों का स्वातंत्र्योत्तर विकास
समाचारपत्र—अंग्रेजी एवं भारतीय भाषाई पत्र—महत्वपूर्ण घटनाएँ
पत्रिकाएँ—भूमिका, पुस्तकों का दौर एवं वर्तमान स्थिति
लघु समाचारपत्र—समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ
प्रेस आयोग, प्रेस परिषद्—इनकी अनुशंसाएँ एवं स्थिति
स्वतंत्रता के पश्चात् रेडियो का विकास—प्रसार भूमिका, रेडियो ग्रामीण फोरम एवं स्थानीय प्रसारण—सामान्य एवं विशिष्ट श्रोता कार्यक्रम
टेलीविजन का विकास—परिदृश्य, प्रारम्भिक विकास एवं प्रयोगात्मक प्रणाली; 'साइट' दौर एवं इसका मूल्यांकन;
टेलीविजन का प्रसार—'एशियाड' के बाद का दौर, मुद्दे, सरोकार एवं समय-समय पर हुई चर्चाएँ या वाद-विवाद।
प्रसारण से सम्बद्ध समितियाँ—पृष्ठभूमि, संस्तुतियाँ एवं कार्यान्वयन।
सिनेमा—ऐतिहासिक परिदृश्य एवं समसामयिक विश्लेषण—व्यावसायिक, समान्तर एवं डाक्युमेन्ट्री—फिल्म उद्योग की समस्याएँ और सम्भावनाएँ।

इकाई—V

संचार एवं सामाजिक परिवर्तन सिद्धान्त
सामाजिक परिवर्तन में मीडिया की भूमिका—मुख्य सिद्धान्त (डामिनेन्ट पैराडाइम्स)
'डामिनेन्ट पैराडाइम्स' की समालोचना एवं वैकल्पिक अवधारणा
विकास सर्जना (डेवलपमेन्ट इनिशियेटिव्स)—राज्य, बाजार तथा तृतीय शक्ति (एन० जी० ओ० क्षेत्र)
सहभागी उपक्रम और सामुदायिक माध्यम—स्वामित्व तथा प्रबन्धन की अवधारणा

इकाई—VI

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया का परिचय
जनसंचार शोध—ऐतिहासिक संदर्भ

प्रशासनिक एवं समीक्षात्मक परम्पराएँ

प्रभाव शोध—विशेषताएँ एवं सीमाएँ

भारत में संचार शोध—‘साइट’ से सम्बद्ध महत्वपूर्ण अध्ययन

अन्तर्वस्तु विश्लेषण—संख्यात्मक एवं गुणात्मक प्रविधियाँ

बाजार शोध एवं इसका संचार से सम्बन्ध विज्ञापन के विशेष सन्दर्भ में निदर्शन प्रविधियाँ—विशेषताएँ एवं सीमाएँ

मूल विश्लेषण की सांख्यिकीय प्रविधियाँ

इकाई—VII

संचार की औपनिवेशिक संरचना

उपनिवेशों की समाप्ति तथा राष्ट्रों की आकांक्षाएँ

जनमाध्यम कवरेज तथा प्रतिनिधित्व सम्बन्धी विवाद

अन्तर्राष्ट्रीय संवाद समितियाँ—समीक्षा

मैकब्राइड कॉमिशन—संस्तुतियाँ एवं नीतिगत विकल्प

अन्तर्राष्ट्रीय प्रसारण से सम्बन्धित सामयिक मुद्दे एवं इनका संस्कृति पर प्रभाव, विभिन्न पक्ष एवं सांस्कृतिक प्रभाव

मीडिया सम्मिलन (कन्वर्जेन्स)—समस्याएँ एवं विकल्प

जनमाध्यम नीतियाँ—अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ

अन्तर्राष्ट्रीय संचार मुद्दे—भारत की स्थिति एवं दृष्टि

इकाई—VIII

रेडियो, टेलीविजन एवं वीडियो—संचार साधन के रूप में

टीवी, रेडियो एवं वीडियो का व्याकरण (ग्रामर)

उत्पादन टीम

प्रोड्यूसर की भूमिका

कार्यक्रमों के विविध प्रकार

रेडियो-लेखन

टीवी-लेखन—आलेख हेतु शोध

दृश्य-भाषा

कैमरा संचलन

कार्यक्रम तैयार करने के मूल सिद्धान्त—‘क्यू’ और ‘कमांड’

रेडियो विन्यास प्रारूप (रेडियो फार्मेट), टेलीविजन—समाचार, सिटकाम, रूपक (फीचर), व्यावसायिक कार्यक्रम (कामर्शियल), ओपेरा, डाक्यूमेन्ट्री, सिनेमा, थियेटर, नाटक

संपादन-सिद्धान्त एवं व्यावहारिक पक्ष

ध्वनि प्रारूप (डिजाइन), माइक्रोफोन, सेट एवं प्रकाश व्यवस्था

उपग्रह, केबिल टेलीविजन, कम्प्यूटर, माइक्रोचिप

इकाई—IX

विज्ञापन

विपणन (मार्केटिंग)

विज्ञापन कापी एवं प्रारूप (लेआउट)

जनसम्पर्क

जनमत

प्रोपेगैण्डा

इकाई—X

तकनीकी

लेखन के विविध रूप

मुद्रण प्रौद्योगिकी एवं उत्पादन प्रविधियाँ

समाचार एजेन्सी

‘सिण्डीकेट’ एवं फ्रीलांस लेखन

पत्रकारिता के विशेषज्ञता-संबद्ध क्षेत्र

नमूने के प्रश्न

प्रश्न-पत्र—II

1. प्रसार भारती के प्रथम चेयरमैन थे
(A) निखिल चक्रवर्ती
(B) हीरन्मय कर्लेकर
(C) एस० एस० गिल
(D) बारीन सेनगुप्त
2. दैनिक समाचार-पत्र 'ली मॉण्ड' प्रकाशित होता है
(A) बन से
(B) पेरिस से
(C) लन्दन से
(D) हैदलबर्ग से
3. निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?
(A) हिन्दुस्तान टाइम्स—नई दिल्ली
(B) हिन्दु—चेन्नई
(C) आनन्द बाजार पत्रिका—पटना
(D) दि टाइम्स ऑफ इण्डिया—मुम्बई

प्रश्न-पत्र—III (A)

1. क्या चुनाव के समय समाचार पत्रों की भूमिका भारतीय प्रेस काउंसिल नियंत्रित कर सकती है?

अथवा

जनमाध्यम के द्वारा राष्ट्रीय विकास की भूमिका पर विशेष सन्दर्भ के साथ आलोचना कीजिए।

2. मीडिया प्रबन्धन की सम्पर्क में नई मीडिया तकनीकी पर आलोचना कीजिए।

अथवा

भारत में जनसंयोग के लिए विभिन्न तकनीकी और उपकरणों की व्याख्या कीजिए।

11. जनमाध्यम क्या है? जनमाध्यम कैसे प्रभावित किया जा सकता है? वर्ष 1998 की चुनाव के सन्दर्भ में, कौन-सी आधुनिक तकनीक को अपनाया गया था जो काफी लोकप्रिय हुआ था?

अथवा

टेलीविजन में कौन-सा दृश्य प्राथमिक दृश्य के अन्तर्गत विशेषकर टेलीविजन समाचार और सामयिक कार्यक्रम में दिखाया जाता है? आलोचना कीजिए।

★ ★ ★